उत्तराखंड और देश का गौरव आईआईटी रुड़की: राज्यपाल

देहरादून, कार्यालय संवाददाता । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर गुरमीत सिंह ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखंड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है।

रविवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर गुरमीत सिंह ने आईएसबीटी के पास आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखंड राज्य के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढ़ाने के लिए इनका उपयोग करना होगा। कहा कि उत्तराखंड की दैवीय और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और विकास में तकनीकी और प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना होगा। संचार, विनिर्माण, पर्यावरण संरक्षण, भौतिक संसाधनों के विकास में भी प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग करना होगा, जिससे यहां के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया जा सके। चारधाम यात्रा के साथ अन्य देवस्थानों और पर्यटन स्थानों तक सरल और सुगम कनेक्टिविटी बनानी होगी। एलमुनाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

वेबसाइट का शुभारंभ

राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया, यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी। चैप्टर की पत्रिका का भी विमोचन किया। साथ ही दि इंस्टीट्यूशन आफ इंजिनियर्स (इंडिया) उत्तराखंड स्टेट सेंटर देहरादून सड़क निर्माण गुणवत्ता प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर इंजीनियर धर्मचंद चेयरमैन आईईआई देहरादून, डॉ प्रशांत अग्रवाल निदेशक प्रयोगशाला, इंजीनियर सतीश चंद्र चौहान मानद सचिव, इंजीनियर रणवीर सिंह चौहान पूर्व चेयरमैन, इंजीनियर नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड और देश का गौरव आईआईटी रुड़की: राज्यपाल

देहरादून, कार्यालय संवाददाता । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर गुरमीत सिंह ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखंड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है।

रविवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर गुरमीत सिंह ने आईएसबीटी के पास आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखंड राज्य के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढ़ाने के लिए इनका उपयोग करना होगा। कहा कि उत्तराखंड की दैवीय और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और विकास में तकनीकी और प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना होगा। संचार, विनिर्माण, पर्यावरण संरक्षण, भौतिक संसाधनों के विकास में भी प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग करना होगा, जिससे यहां के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया जा सके। चारधाम यात्रा के साथ अन्य देवस्थानों और पर्यटन स्थानों तक सरल और सुगम कनेक्टिविटी बनानी होगी। एलमुनाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट ज़नरल (रिटायर) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

वेबसाइट का शुभारंभ

राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया, यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी। चैप्टर की पत्रिका का भी विमोचन किया। साथ ही दि इंस्टीट्यूशन आफ इंजिनियर्स (इंडिया) उत्तराखंड स्टेट सेंटर देहरादून सड़क निर्माण गुणवत्ता प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर इंजीनियर धर्मचंद चेयरमैन आईईआई देहरादून, डॉ प्रशांत अग्रवाल निदेशक प्रयोगशाला, इंजीनियर सतीश चंद्र चौहान मानद सचिव, इंजीनियर रणवीर सिंह चौहान पूर्व चेयरमैन, इंजीनियर नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

आईआईटी रुड़की ने कई नायाब हीरे दिए देश को : राज्यपाल

पब्लिक एशिया ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने रविवार को आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखण्ड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखण्ड राज्य के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढ़ाने के लिए इनका उपयोग करना हो इस अवसर पर एलमुनाई एसोसिएशन राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चौप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चौप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी। राज्यपाल ने वेबसाइट के शुभारम्भ किया।

आईआईटीआरएए का देहरादून चौप्टर बहुत सक्रिय स्थानीय चैप्टर है जो गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए फैमिली गेट टुगेदर्स का आयोजन करता है जिसमें बातचीत, सांस्कृतिक गतिविधियां, पेशेवर उन्नति साझा करना, पिकनिक और सामाजिक गतिविधियां शामिल हैं। आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन के देहरादून चौप्टर में 180 पंजीकृत सदस्य हैं और सबसे पुराने पूर्व छात्र 1950 बैच के हैं।

इस समारोह में 7 राज्यों से आए पूरे भारत के लगभग 150 पूर्व छात्र परिवार ने प्रतिभाग किया। उन सभी पूर्व छात्रों (16 नंबर) को सम्मानित करने का प्रस्ताव है, जिन्होंने 80 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है। कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में अध्यक्ष धर्मवीर, सेवानिवृत्त आईएएस, डॉ. रमा भार्गव, आईआईटी रुड़की डॉ नवीन सिंघल, डीआईटीयू दूसरा तकनीकी सत्र, डॉ लवनीश चानाना, सिंगापुर, डॉ अचल मित्तल, प्रधान वैज्ञानिक, सीबीआरआई, रुड़की ने अपने विचार व्यक्त किये वही पैनल चर्चा में डॉ.वी.के. नॉगिया, आईआईटी रुड़की, धरम वीर, आईएएस (सेवानिवृत्त), डॉ अचल मित्तल, सीबीआरआई, रुड़की, डॉ. एल.पी.सिंह, सीबीआरआई, सत्र को अध्यक्षता डॉ.एस.के.मित्तल एवं डॉ अमित अग्रवाल, निदेशक, टनकपुर इंजीनियरिंग कॉलेज ने की। ओएनजीसी और ओबीएल द्वारा प्रायोजित किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एलटी. जीईएन. बिशंबर सिंह, उपाध्यक्ष डा.अचल मित्तल एवम राष्ट्रीय सचिव डी. एस.पंवार भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सहारिया जी ने किया। तकनीकी सत्र का संचालन डा.नवीन सिंघल ने किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. एमपी जैन, अध्यक्ष, देहरादून चैप्टर की ओर से सभी का स्वागत किया और आई आई टी रुड़की के 175वें स्थापना दिवस समारोह की सभी को बधाई दी।

आईआईटी रुड़की देश का गौरव : राज्यपाल

संस्थान के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित सेमिनार में गिनाईं प्राथमिकताएं

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी और नवाचार राष्ट्र की शक्ति बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। ये बातें राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से संस्थान के 175वें स्थापना वर्ष में आयोजित सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। इस दौरान राज्यपाल ने एसोसिएशन की वेबसाइट का भी उद्घाटन और पत्रिका का विमोचन किया।

द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तराखंड सेंटर में रविवार को राज्यपाल ने शोध, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिहाज से विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि आईआईटी रुड़की, उत्तराखंड और देश का गौरव है। संस्थान ने 43,500 से अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में पलायन रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका बढ़ाने, महिला सशक्तीकरण के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना होगा।

सड़क निर्माण गुणवत्ता की प्रयोगशाला के उद्घाटन के बाद राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) के साथ संस्थान के लोग। -अमर उजाला

राज्यपाल ने कहा कि चारधाम यात्रा के साथ-साथ अनेक देवस्थानों और पर्यटन स्थलों तक सरल और सुगम कनेक्टिविटी बनानी होगी। प्रदेश की दैवीय और आध्यात्मिक रीति-रिवाजों के साथ आध्यात्मिक पर्यटन का विकास करना होगा। जिस तरह आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों ने ऊपरी गंगनहर का निर्माण कर मैदानी क्षेत्रों को हरा-भरा और समृद्ध बनाया, उसी तरह पहाड़ों में भी नई प्रौद्योगिकी के उपयोग से दुर्गम स्थानों को सुगम बनाते हुए देवस्थानों, पर्यटन स्थलों को विकसित करना होगा।

उन्होंने कहा कि आईआईटी रुड़की अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। शानदार इतिहास, गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के साथ संस्थान ने अपने संकाय और छात्रों के बीच अनुसंधान व कौशल विकास की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य किया है।

उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद, सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, कोरोना महामारी के दौरान लोगों की सेवा के लिए किए गए एसोसिएशन के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर एलमुनाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल विशंभर सिंह (सेनि), आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी के विदेश डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आदि उपस्थित थे।

अब सीमेंट, रेत-बजरी की जांच प्रयोगशाला में होगी

देहरादून। राज्य में सड़कों, पुलों के साथ ही सरकारी निर्माणों में अब निर्माणदायी एजेंसियां गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं कर सकेंगी, क्योंकि निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली सामग्री सीमेंट, रेत, बजरी की गुणवत्ता की जांच के लिए प्रयोगशाला स्थापित कर दी गई है। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स केंद्र में आईईआई सड़क निर्माण गुणवत्ता प्रयोगशाला का निर्माण कराया गया है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने रविवार को इसका उद्घाटन किया। इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स के पूर्व चेयरमैन नरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रयोगशाला का उद्देश्य सड़क निर्माण के कार्यों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता जाँच उच्च तकनीकी उपकरणों से करना है। प्रयोगशाला के निदेशक डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि यहां मिट्टी की जांच, कंक्रीट में प्रयोग होने वाले सीमेंट, बजरी, रेत, मिक्स डिजाइन और तारकोल की जांच पारदर्शिता से की जाएगी। इस मौके पर चेयरमैन धर्म चंद्र, मानद सचिव सतीश चंद चौहान आदि मौजूद थे। मा.सि.रि.

आईआईटी रुड़की ने दिए देश को कई नायाब हीरे: सिंह

175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में किया राज्यपाल ने प्रतिभाग

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने रविवार को आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखंड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखण्ड राज्य के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढाने के लिए इनका उपयोग करना हो इस अवसर पर एलमुनाई एसोसिएशन राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी। राज्यपाल ने वेबसाइट के शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सहारिया ने किया। तकनीकी सत्र का संचालन डा.नवीन सिंघल ने किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. एमपी जैन, अध्यक्ष, देहरादून चैप्टर की ओर से सभी का स्वागत किया।

आईआईटी रुड़की में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते राज्यपाल।

आईआईटी रुड़की ने दिए देश को कई नायाब हीरे: राज्यपाल

देहरादून, संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने रविवार को आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चौप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखण्ड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखण्ड राज्य के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढाने के लिए इनका उपयोग करना हो इस अवसर पर एलमुनाई एसोसिएशन राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चौप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चौप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी। राज्यपाल ने वेबसाइट के शुभारम्भ किया। आईआईटीआरएए का देहरादून चौप्टर बहुत सक्रिय स्थानीय चौप्टर है जो गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए फैमिली गेट टुगेदर्स का आयोजन करता है जिसमें बातचीत, सांस्कृतिक गतिविधियां, पेशेवर उन्नति साझा करना, पिकनिक और सामाजिक गतिविधियां शामिल हैं। आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन के देहरादून चौप्टर में 180 पंजीकृत सदस्य हैं और सबसे पुराने पूर्व छात्र 1950 बैच के हैं। इस समारोह में 7 राज्यों से आए पूरे भारत के लगभग 150 पूर्व छात्र परिवार ने प्रतिभाग किया। उन सभी पूर्व छात्रों (16 नंबर) को सम्मानित करने का प्रस्ताव है, जिन्होंने 80 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है। कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में अध्यक्ष धर्मवीर, सेवानिवृत्त आईएएस, डॉ. रमा भार्गव, आईआईटी रुड़की डॉ नवीन सिंघल, डीआईटीयू दूसरा तकनीकी सत्र, डॉ लवनीश चानाना, सिंगापुर, डॉ अचल मित्तल, प्रधान वैज्ञानिक, सीबीआरआई, रुड़की ने अपने विचार व्यक्त किये वही पैनल चर्चा में डॉ.वी.के.नांगिया,आईआईटी रुड़की, धरम वीर, आईएएस (सेवानिवृत्त), डॉ अचल मित्तल, सीबीआरआई, रुड़की, डॉ. एल.पी.सिंह, सीबीआरआई, सत्र की अध्यक्षता डॉ.एस.के.मित्तल एवं डॉ अमित अग्रवाल, निदेशक, टनकपुर इंजीनियरिंग कॉलेज ने की। ओएनजीसी और ओवीएल द्वारा प्रायोजित किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एलटी. जीईएन. बिशंबर सिंह, उपाध्यक्ष डा.अचल मित्तल एवम राष्ट्रीय सचिव डी. एस.पंवार भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सहारिया जी ने किया। तकनीकी सत्र का संचालन डा. नवीन सिंघल ने किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. एमपी जैन , अध्यक्ष, देहरादून चौप्टर की ओर से सभी का स्वागत किया और आई आई टी रुड़की के 175वें स्थापना दिवस समारोह की सभी को बधाई दी।

आईआईटी रुड़की ने कई नायाब हीरे दिए देश को- राज्यपाल

देहरादून, संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने रविवार को आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

उन्होंने इस अवसर पर आयोजित शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखण्ड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है।

इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चौप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी।

राज्यपाल ने वेबसाइट के शुभारम्भ किया। आईआईटीआरएए का देहरादून चौप्टर बहुत सक्रिय स्थानीय चैप्टर है जो गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए फैमिली गेट टुगेदर्स का आयोजन करता है जिसमें बातचीत, सांस्कृतिक गतिविधियां, पेशेवर उन्नति साझा करना, पिकनिक और सामाजिक गतिविधियां शामिल हैं। आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन के देहरादून चौप्टर में 180 पंजीकृत सदस्य हैं और सबसे पुराने पूर्व छात्र 1950 बैच के हैं। इस समारोह में 7 राज्यों से आए पूरे भारत के लगभग 150 पूर्व छात्र परिवार ने प्रतिभाग किया। उन सभी पूर्व छात्रों (16 नंबर) को सम्मानित करने का प्रस्ताव है, जिन्होंने 80 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है। कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में अध्यक्ष धर्मवीर, सेवानिवृत्त आईएएस, डॉ. रमा भार्गव, आईआईटी रुड़की डॉ नवीन सिंघल, डीआईटीयू दूसरा तकनीकी सत्र, डॉ लवनीश चानाना, सिंगापुर, डॉ अचल मित्तल, प्रधान वैज्ञानिक, सीबीआरआई, रुड़की ने अपने विचार व्यक्त किये वही पैनल चर्चा में डॉ.वी.के.नांगिया,आईआईटी रुड़की, धरम वीर, आईएएस (सेवानिवृत्त), डॉ अचल मित्तल, सीबीआरआई, रुड़की, डॉ. एल.पी.सिंह, सीबीआरआई, सत्र की अध्यक्षता डॉ.एस.के.मित्तल एवं डॉ अमित अग्रवाल, निदेशक, टनकपुर इंजीनियरिंग कॉलेज ने की। ओएनजीसी और ओवीएल द्वारा प्रायोजित किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एलटी. जीईएन. बिशंबर सिंह, उपाध्यक्ष डा.अचल मित्तल एवम राष्ट्रीय सचिव डी. एस.पंवार भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सहारिया जी ने किया। तकनीकी सत्र का संचालन डा.नवीन सिंघल ने किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. एमपी जैन , अध्यक्ष, देहरादून चैप्टर की ओर से सभी का स्वागत किया और आई आई टी रुड़की के 175वें स्थापना दिवस समारोह की सभी को बधाई दी।

आइआइटी रुड़की राज्य और देश का गौरव

राज्यपाल ने कहा, ऊपरी गंग नहर की तर्ज पर आइआइटी के इंजीनियर दुर्गम क्षेत्रों को बनाएं सुगम

जागरण संवाददाता, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि आइआइटी रुड़की उत्तराखंड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आइआइटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं दी हैं। जिनका देश के विकास में बड़ा योगदान है। रविवार को आइआइटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आइआइटी रुड़की का 175वां वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने प्रतिभाग किया।

आइएसबीटी के समीप इंस्टीट्शन आफ इंजीनियर्स के सभागार में आयोजित वार्षिक समारोह में राज्यपाल ने शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलाजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

उत्तराखंड के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले ग्रामीणों की आजीविका को बढ़ाने के लिए इनका उपयोग करना होगा। प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग, जैविक कृषि का विकास, महिला सशक्तीकरण और बालिकाओं के संरक्षण के लिए हमारी तकनीकी और प्रौद्योगिकी का उपयोग हो। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा के साथ अनेक पवित्र दिव्य देवस्थानों और पर्यटन स्थानों तक सरल और सुगम कनेक्टिविटी बनानी होगी। राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार से आइआइटी रुड़की के इंजीनियरों ने ऊपरी गंगा नहर का निर्माण कर मैदानी क्षेत्रों को हरा-भरा और समृद्ध बनाया, उसी प्रकार पहाड़ों में भी नई प्रौद्यौगिकी के उपयोग से दुर्गम स्थानों को सुगम बनाएं।

इस अवसर पर आइआइटी एलमुनाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) विशंभर सिंह, आइआइटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रोफेसर हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, अजय मित्तल, डीएस पंवार आदि उपस्थित थे।

पत्रिका व वेबसाइट का विमोचन : राज्यपाल ने आइआइटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया। साथ ही एसोसिएशन की पत्रिका का भी विमोचन किया। राज्यपाल ने दि इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तराखंड स्टेट सेंटर, देहरादून सड़क निर्माण गुणवत्ता प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया।

आइएसबीटी स्थित इंस्टीट्शन आफ इंजीनियर्स के सभागार में आयोजित आइआइटी रुडकी देहरादून चैप्टर के वार्षिक समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) बायें, दूसरी ओर समारोह में मौजूद लोग • जागरण

آئی آئی ٹی روڑکی نے ملک کوکئی نایاب ہیرے دیے: گورنر

دہرہ دون: گورنر لیفٹیننٹ جنرل گرمیت سنگھ (ریٹائرڈ) نے اتوار کو آئی آئی ٹی روڑکی کے 175ویں سال کی تقریب میں مہمان خصوصی کے طور پر شرکت کی جس کا اہتمام IIT روڑکی کے ایلومنائی ایسوسی ایشن کے دہرہ دون چیپٹر نے کیا تھا۔ انہوں نے سائنس، ٹیکنالوجی، انجینئرنگ اور ریاضی کے شعبے میں ابھرتی ہوئی طاقت اور اس کی افادیت پر بین الاقوامی سیمینار کا افتتاح کیا جس کا مقصد تحقیق، تحقیق اور اختراع کو فروغ دینا ہے۔اس موقع پر خطاب کرتے ہوئے گورنر نے کہا کہ آئی آئی ٹی روڑکی اتراکھنڈ اور ملک کا فخر ہے۔آئی آئی ٹی روڑکی کا ملک کی ترقی میں اہم شراکت ہے۔ اس انسٹی ٹیوٹ نے 43,500 سے زائد دانشورانہ صلاحیتوں کو پیدا کر کے ملک کی ترقی میں اہم کردار ادا کیا ہے۔ گورنر نے کہا کہ مصنوعی ذہانت، ڈرون ٹیکنالوجی، اختراع سے قوم کی طاقت میں اضافہ ہوتا ہے۔ سائنس، ٹیکنالوجی، انجینئرنگ، ریاضی جیسے مضامین میں مہارت حاصل کر کے ہم ملک میں بڑی تبدیلی لا سکتے ہیں۔ ایلومنائی ایسوسی ایشن کے قومی صدر لیفٹیننٹ جنرل (سینئر) وشمبر سنگھ، سینئر آئی آئی ٹی روڑکی نے اس موقع پر ہجرت کو روکنے، قدرتی وسائل کا صحیح استعمال کرنے اور ریاست اتراکھنڈ کے پہاڑیوں میں رہنے والے لوگوں کی روزی روٹی بڑھانے کے لیے ریٹائرڈ پروفیسر ہرش سنگھوال، ڈائریکٹر انجینئر، او این جی سی ودیش آلوک کمار گپتا، دہرادون چیپٹر کے چیئرمین جین، اے متل، ڈی ایس پنوار، بزرگ شہری اور سابق طلباء جنہوں نے آئی آئی ٹی روڑکی کے مختلف شعبوں میں کام کیا ہے موجود تھے۔اس موقع پر گورنر نے آئی آئی ٹی روڑکی ایلومنائی ایسوسی ایشن دہرادون چیپٹر کی ویب سائٹ کا بھی افتتاح کیا، یہ ویب سائٹ ایسوسی ایشن کی مختلف سرگرمیوں کو پھیلانے اور لوگوں کی مدد کرنے کا کام کرے گی۔ گورنر نے ویب سائٹ کا آغاز کیا۔ IITRAA کا دہرادون باب ایک بہت ہی فعال مقامی باب ہے جو غریبوں اور ضرورت مندوں کی مدد کے لیے فیملی گیٹ ٹوگیدرز کا اہتمام کرتا ہے جس میں بات چیت، ثقافتی سرگرمیاں، پیشہ ورانہ ترقی کا اشتراک، پکنک اور سماجی سرگرمیاں شامل ہیں۔ آئی آئی ٹی روڑکی ایلومنائی ایسوسی ایشن کے دہرادون چیپٹر میں 180 رجسٹرڈ ممبران ہیں اور سب سے پرانے سابق طلباء 1950 بیچ کے ہیں۔ اس تقریب میں 7 ریاستوں سے ہندوستان بھر سے تقریباً 150 سابق طلباء خاندانوں نے حصہ لیا۔ تمام سابق طلباء (نمبر 16) کو اعزاز دینے کی تجویز ہے جو 80 سال کی عمر کو پہنچ چکے ہیں۔ پروگرام کے پہلے تکنیکی سیشن میں صدر دھرم ویر، ریٹائرڈ آئی اے ایس، ڈاکٹر راما بھارگو، آئی آئی ٹی روڑکی ڈاکٹر نوین سنگھل، ڈی آئی ٹی یو دوسرے ٹیکنیکل سیشن، ڈاکٹر لاونیش چنا، سنگاپور، ڈاکٹر اچل متل، پرنسپل سائنسدان، سی بی آر آئی، روڑکی۔ اپنے خیالات کا اظہار ڈاکٹر وی کے نانگیا، آئی آئی ٹی روڑکی، دھرم ویر، آئی اے ایس (ریٹائرڈ)، ڈاکٹر اچل متل، سی بی آر آئی، روڑکی، ڈاکٹر ایل پی سنگھ، سی بی آر آئی، روڑکی، ڈاکٹر ایل پی سنگھ، سی بی آر آئی، سیشن کی صدارت ڈاکٹر نے کی۔ پینل ڈسکشن میں ایس کے متل اور ٹنک پور انجینئرنگ کالج کے ڈائریکٹر ڈاکٹر امیت اگروال۔ او این جی سی اور او وی ایل کے زیر اہتمام۔ قومی صدر لیفٹیننٹ جنرل بشامبر سنگھ، نائب صدر ڈاکٹر اچل متل اور قومی سکریٹری ڈی ایس پنوار نے بھی شرکت کی۔ پردیپ سہاریہ نے پروگرام کی نظامت کی۔ ڈاکٹر نوین سنگھل نے ٹیکنیکل سیشن کو چلایا۔ صدارتی خطاب میں ڈاکٹر ایم پی جین نے صدر دہرادون چیپٹر کی جانب سے سبھی کا خیر مقدم کیا اور IIT روڑکی کے 175ویں یوم تاسیس کی تقریبات پر سب کو مبارکباد دی۔

आईआईटी रुड़की के175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने किया प्रतिभाग

राजभवन

देहरादून 29 मई,। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने रविवार को आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखण्ड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखण्ड राज्य के लिए पलायन को

रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढाने के लिए इनका उपयोग करना होगा। प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग, जैविक कृषि का विकास, महिला सशक्तिकरण और बालिकाओं के संरक्षण के लिए हमारी तकनीकी और प्रौद्योगिकी का उपयोग हो।

उन्होंने कहा की उत्तराखंड की दैवीय और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और विकास में तकनीकी और प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना होगा। संचार, विनिर्माण, पर्यावरण संरक्षण, भौतिक संसाधनों के विकास में भी प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग करना होगा जिससे यहां के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की चार धाम यात्रा के साथ-साथ अनेक पवित्र दिव्य देवस्थानों और पर्यटन स्थानों तक सरल और सुगम कनेक्टिविटी बनानी होगी। प्रदेश की देवीय और आध्यात्मिक रीति-रिवाजों के साथ आध्यात्मिक पर्यटन के विकास में तकनीकी का उपयोग करते हुए उत्तराखण्ड की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कार्य करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार से

– शेष पृष्ठ 8 पर ...

प्रथम पृष्ठ का शेष

आईआईटी रुड़की के175वें वर्ष...

आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों ने ऊपरी गंगा नहर का निर्माण कर मैदानी क्षेत्रों को हरा-भरा और समृद्ध बनाया, उसी प्रकार पहाड़ों में भी नयी प्रौद्यौगिकी के उपयोग से दुर्गम स्थानों को सुगम बनाते हुए देवस्थानों, पर्यटन स्थानों को विकसित करना होगा। उन्होने कहा कि आईआईटी रुड़की अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। शानदार इतिहास, एक गौरवशाली अतीत और एक उज्ज्वल भविष्य के साथ आईआईटी रुड़की ने अपने संकाय और छात्रों के बीच अनुसंधान और कौशल विकास की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य किया है। राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की की ओर से महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिये जाने की दृष्टि से किये गये कार्यों की प्रसंशा की और कहा कि महिलाएं वास्तव में देश की भावी नेता हैं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आईआईटी रुड़की की पहल सराहनीय है। आईआईटी रुड़की के कई पूर्व छात्रों ने देश का नाम रोशन किया है और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कई शीर्ष-स्तरीय पदों पर कार्य किया है। उन्होने एसोसिएशन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों की मदद, सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, कोरोना महामारी के दौरान लोगों की सेवा के लिए किये गये कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर एलमुनाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी। राज्यपाल ने वेबसाइट के शुभारम्भ अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सभी सदस्यों को बधाई दी।

उन्होंने आईआईटी रुड़की एवं एलमुनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की पत्रिका का भी विमोचन किया।

आइआइटी रुड़की राज्य और देश का गौरव

राज्यपाल ने कहा, ऊपरी गंग नहर की तर्ज पर आइआइटी के इंजीनियर दुर्गम क्षेत्रों को बनाएं सुगम

जागरण संवाददाता, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि आइआइटी रुड़की उत्तराखंड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आइआइटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं दी हैं। जिनका देश के विकास में बड़ा योगदान है। रविवार को आइआइटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आइआइटी रुड़की का 175वां वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने प्रतिभाग किया।

आइएसबीटी स्थित इंस्टीट्शन आफ इंजीनियर्स के सभागार में आयोजित आइआइटी रुडकी देहरादून चैप्टर के वार्षिक समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) बाएं, दूसरी ओर समारोह में मौजूद लोग • जागरण

आइएसबीटी के समीप इंस्टीट्शन आफ इंजीनियर्स के सभागार में आयोजित वार्षिक समारोह में राज्यपाल ने शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलाजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

उत्तराखंड के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले ग्रामीणों की आजीविका को बढ़ाने के लिए इनका उपयोग करना होगा। प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग, जैविक कृषि का विकास, महिला सशक्तीकरण और बालिकाओं के संरक्षण के लिए हमारी तकनीकी और प्रौद्योगिकी का उपयोग हो। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा के साथ अनेक पवित्र दिव्य देवस्थानों और पर्यटन स्थानों तक सरल और सुगम कनेक्टिविटी बनानी होगी। राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार से आइआइटी रुड़की के इंजीनियरों ने ऊपरी गंगा नहर का निर्माण कर मैदानी क्षेत्रों को हरा-भरा और समृद्ध बनाया, उसी प्रकार पहाड़ों में भी नई प्रौद्योगिकी के उपयोग से दुर्गम स्थानों को सुगम बनाएं।

इस अवसर पर आइआइटी एलमुनाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) विशंभर सिंह, आइआइटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रोफेसर हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, अजय मित्तल, डीएस पंवार आदि उपस्थित थे।

पत्रिका व वेबसाइट का विमोचन : राज्यपाल ने आइआइटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया। साथ ही एसोसिएशन की पत्रिका का भी विमोचन किया। राज्यपाल ने दि इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तराखंड स्टेट सेंटर, देहरादून सड़क निर्माण गुणवत्ता प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया।

ऋषभ व मोहित के अर्द्धशतक से इंडियन रेलवे की जीत

गोल्ड कप

जागरण संवाददाता, देहरादून : 38वें आल इंडिया गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट में इंडियन रेलवे ने ऋषभ मिश्रा 86 व मोहित राउत की नाबाद 51 रन की अर्द्धशतकीय पारी के दम पर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को आठ विकेट से हराकर जीत दर्ज की। दूसरे मैच में डिफेंस अकाउंट स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड ने रण स्टार क्लब दिल्ली को सात विकेट से शिकस्त दी।

रविवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और इंडियन रेलवे के बीच मैच खेला गया। जिसमें राजस्थान ने पहले खेलते हुए 39.2 ओवर में सभी विकेट खोकर 193 रन बनाए। टीम के लिए भारत शर्मा ने 52, युवराज सिंह ने 37 व सलमान खान ने 31 रन बनाए। इंडियन रेलवे के लिए मोहित राउत व सागर ने तीन-तीन और युवराज सिंह ने दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन रेलवे ने ऋषभ 86, मोहित राउत 54 ... की 51 रन की अर्द्धशतकीय ... दम पर मुकाबले को 2... ही 194 बनाकर मुकाबले ... विकेट से जीत लिया। ... लिए अभिमन्यु ने दो विकेट ... वहीं, तनुष क्रिकेट ... स्टार क्रिकेट क्लब और डिफेंस अकाउंट स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के बीच खेले गए मुकाबले में ... ने पहले खेलते हुए 30 ओवर में ... विकेट खोकर 175 रन बनाए। ... लिए हर्षित ने 49, दीपक ... रन बनाए। डिफेंस अकाउंट ... कंट्रोल बोर्ड के लिए ... बाबी यादव ने दो-दो विकेट ... जवाब में बल्लेबाजी करने ... डिफेंस अकाउंट स्पोर्ट्स ... बोर्ड ने मुर्तजा अली की ... व नमन शर्मा की 46 रनों की ... के दम पर 27.3 ओवर में ... बनाकर मैच को सात विकेट से ... लिया। रण स्टार के लिए तुषार ने ... विकेट झटके।

रविवार को हुए चुनाव के बाद देहरा दून क्लब लिमिटेड की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी • साभार दून क्लब

...न बाद दून क्लब के अध्यक्ष बने नागलिया

भाषा व गणित में राज्य के छात्र राष्ट्रीय औसत से आगे

विद्यालयी शिक्षा में ओवरआल उपलब्धियों में उत्तराखंड ने राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ा

नेशनल अचीवमेंट सर्वे-2021

जागरण संवाददाता, देहरादून: उत्तराखंड में विद्यालयी शिक्षा की तस्वीर तेजी से बदल रही है। विद्यालयी शिक्षा में होने वाले बदलावों के साथ बच्चों की सीखने की क्षमता को जांचने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कराए गए सर्वेक्षण में विद्यालयी शिक्षा की ओवरआल प्रगति में राज्य ने राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ दिया। इसी तरह भाषा (हिन्दी व अंग्रेजी) और गणित जैसे विषय में भी राज्य के छात्रों ने राष्ट्रीय औसत को पछाड़कर अपना लोहा मनवाया

सर्वे में यह तथ्य भी आए सामने

- उत्तराखड में 99 प्रतिशत स्कूल खेलकूद गतिविधियों में करते हैं प्रतिभाग।
- राज्य के स्कूलों में 82 प्रतिशत स्टाफ मानकों पर खरा।
- 81 प्रतिशत छात्र-छात्राएं स्कूल कक्ष में मातृभाषा का प्रयोग करते है।
- 98 प्रतिशत छात्र-छात्राए स्कूल जाते हैं।
- 29 प्रतिशत शिक्षकों ने विद्यालय के लिए इमारत या पुराने भवन की मरम्मत की दरकार बताई।
- 97 प्रतिशत छात्र-छात्राएं कक्षा में शिक्षकों के पढ़ाने से संतुष्ट है।
- 79 प्रतिशत छात्र-छात्राएं घर में डिजिटल डिवाइस का प्रयोग नही कर पाते।

- केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के नेशनल अचीवमेंट सर्वे- 2021 में सामने आई यह तस्वीर
- सर्वे में राज्य के 2500 विद्यालयों के 65000 छात्र-छात्राओं को किया गया शामिल

विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड अगले दो साल में और अधिक प्रगति करेगा। समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अच्छे परिणाम सामने भी आने लगे हैं। बंशीधर तिवारी, राज्य परियोजना निदेशक ...

राज्यवार विद्यालयी शिक्षा की प्रगति ... सर्वे में उत्तराखंड के 2500 विद्यालयों ... 53 है। गणित में उत्तराखंड के ...

प्रथम पृष्ठ का शेष

आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष...

आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों ने ऊपरी गंगा नहर का निर्माण कर मैदानी क्षेत्रों को हरा-भरा और समृद्ध बनाया, उसी प्रकार पहाड़ों में भी नयी प्रौद्यौगिकी के उपयोग से दुर्गम स्थानों को सुगम बनाते हुए देवस्थानों, पर्यटन स्थानों को विकसित करना होगा। उन्होने कहा कि आईआईटी रुड़की अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। शानदार इतिहास, एक गौरवशाली अतीत और एक उज्ज्वल भविष्य के साथ आईआईटी रुड़की ने अपने संकाय और छात्रों के बीच अनुसंधान और कौशल विकास की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य किया है। राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की की ओर से महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिये जाने की दृष्टि से किये गये कार्यों की प्रसंशा की और कहा कि महिलाएं वास्तव में देश की भावी नेता हैं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आईआईटी रुड़की की पहल सराहनीय है। आईआईटी रुड़की के कई पूर्व छात्रों ने देश का नाम रोशन किया है और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कई शीर्ष-स्तरीय पदों पर कार्य किया है। उन्होने एसोसिएशन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों की मदद, सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, कोरोना महामारी के दौरान लोगों की सेवा के लिए किये गये कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर एलमुनाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया यह वेबसाइट एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों के प्रसार तथा लोगों की सहायता के लिए कार्य करेगी। राज्यपाल ने वेबसाइट के शुभारम्भ अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सभी सदस्यों को बधाई दी।

उन्होंने आईआईटी रुड़की एवं एलमुनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की पत्रिका का भी विमोचन किया।

आई आई टी रुड़की ने कई नायाब हीरे दिए देश को : राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने रविवार को आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखण्ड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखण्ड राज्य के लिए पलायन को रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढाने के लिए इनका उपयोग करना हो इस अवसर पर एलमुनाई एसोसिएशन राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) विशंभर सिंह, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ सेवानिवृत्त प्रो. हर्ष सिंघवाल, ओएनजीसी विदेश के डायरेक्टर इंजीनियर आलोक कुमार गुप्ता, देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष जैन, अजय मित्तल, डीएस पंवार सहित आईआईटी रुड़की के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एलुमनाई एसोसिएशन देहरादून चैप्टर की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया।

आईआईटी रुड़की के175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने किया प्रतिभाग

राजभवन

देहरादून 29 मई,। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने रविवार को आईआईटी रुड़की के एलुमनाई एसोसिएशन के देहरादून चैप्टर की ओर से आयोजित आईआईटी रुड़की के 175वें वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित शोध अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उभरती शक्ति और उसकी उपयोगिता पर केंद्रित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईटी रुड़की उत्तराखण्ड और देश का गौरव है। देश की प्रगति में आईआईटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इस संस्थान ने देश को 43,500 से भी अधिक बौद्धिक प्रतिभाएं तैयार कर देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इनोवेशन राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाते हैं। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित जैसे विषयों में निपुणता से हम देश में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उत्तराखण्ड राज्य के लिए पलायन को

रोकने, प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग करने और पहाड़ में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढाने के लिए इनका उपयोग करना होगा। प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग, जैविक कृषि का विकास, महिला सशक्तिकरण और बालिकाओं के संरक्षण के लिए हमारी तकनीकी और प्रौद्योगिकी का उपयोग हो।

उन्होंने कहा की उत्तराखंड की दैवीय और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और विकास में तकनीकी और प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना होगा। संचार, विनिर्माण, पर्यावरण संरक्षण, भौतिक संसाधनों के विकास में भी प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग करना होगा जिससे यहां के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की चार धाम यात्रा के साथ-साथ अनेक पवित्र दिव्य देवस्थानों और पर्यटन स्थानों तक सरल और सुगम कनेक्टिविटी बनानी होगी। प्रदेश की देवीय और आध्यात्मिक रीति-रिवाजों के साथ आध्यात्मिक पर्यटन के विकास में तकनीकी का उपयोग करते हुए उत्तराखण्ड की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कार्य करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार से

– शेष पृष्ठ 8 पर ...

केदारनाथ-बदरीनाथ सहित चारधाम